सैकेंडरी स्कूल परीक्षा
मार्च – 2008
अंक–योजना–हिंदी ('अ' दिल्ली) कोड संख्या 3/1/1, 3/1/2, 3/1/3

समान्य निर्देश : मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए।

1. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक–योजना में दिए गए उत्तर–बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।

2. मूल्यांकन करने वाले परीक्षकों के साथ जब तक प्रथम दिन वैयक्तिक अथवा सामूहिक रूप से अंक–योजना पर भली–भाँति आद्योपांत विचार–विनिमय नहीं जो जाता तब तक मूल्यांकन आरंभ न कराया जाए।

3. मूल्यांकन–कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक–योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

4. प्रश्न के उपभागों के उत्तरों पर दाई ओर अंक दिए जाएँ, बाद में उपभागों के इन अंको का योग बाई ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।

5. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक दिए जाएँ।

6. यदि परीक्षार्थी ने किसी अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर भी लिख दिया है तो जिस प्रश्न का पहले हल किया गया है उस पर अंक दें और बाद में किए हुए को काट दें।

7. संक्षिप्त किंतु उपयुक्त विवेचन के साथ प्रस्तुत किया गया बिंदुवत उत्तर विस्तृत विवेचन की अपेक्षा अच्छा माना जाएगा। ऐसे उत्तरों को उचित महत्त्व देने की अपेक्षा है।

8. बार–बार की एक ही प्रकार की अशुद्ध वर्तनी पर अंक न काटें।

9. शब्द–सीमा से अधिक शब्द होने पर भी अंक न काटे जाएँ।

10. अपठित गद्यांश और काव्यांश के प्रश्नों में परीक्षार्थियों की समझ में अभिव्यक्तिगत योग्यता को अधिक महत्त्व न दिया जाए जिससे परीक्षार्थियों को अकारण हानि हो।

11. मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने – 0 से 100 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात् परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर–बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 100 अंक दिए जाने चाहिए।

12. तारांकित प्रश्नों के उत्तर में, परीक्षार्थी के चिंतन (सोच) को महत्त्व देते हुए अंक दे।

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा–बोर्ड

अंक–योजना: मार्च–2008

विषय: हिंदी (पाठ्यक्रम ..'अ'..) कूटबंध सं 3/1/1,2,3 कक्षा दसवीं

प्रश्न	प्रश्नपत्र गुच्छ			उत्तर–संकेत/मूल्य–बिंदु	अंक और अंक विभाजन
	1	2	3		
1	(i)	(i)	(i)	खंड–'क' श्रम की गरिमा/श्रम का महत्व (किसी अन्य उपयुक्त शीर्षक पर भी अंक दें)	1
	(ii)	(ii)	(ii)	शिक्षा, वेतन, व्यवसाय तथा परंपरागत चलन के आधार पर	2
	(iii)	(iii)	(iii)	यदि एक माली या सफाईकर्मी अपना काम ईमानदारी, जिम्मेदारी और कुशलता से करता है तो उसका कार्य उस सचिव के कार्य से बेहतर माना जा सकता है जो अपने काम में लापरवाही बरतता है।	2
	(iv)	(iv)	(iv)	पद अपने आप में महत्वपूर्ण नहीं होता बल्कि बिना दुराव–छिपाव के पूरी ईमानदारी, निष्ठा और लगन से काम करना महत्वपूर्ण होता है।	2
	(v)	(v)	(v)	गांधी जी द्वारा सफाई करने जैसे काम को भी छोटा व घृणित न समझने पर	1
	(vi)	(vi)	(vi)	बाबा आमटे– कुष्ठ रोगियों की सेवा सुंदरलाल बहुगुणा – चिपको आंदोलन के माध्यम से पेड़ों का संरक्षण	1/2+1/2 =1
	(vii)	(vii)	(vii)	अपना राष्ट्र ध्वज झुका दिया था। क्योंकि गांधी ने देश और राष्ट्र की सीमा से ऊपर उठकर संपूर्ण मानव जाति के कल्याण के लिए कार्य किया।	1/2+1/2 =1

	(viii)	(viii)	(viii)	उपसर्ग – निर् प्रत्यय – इत	1/2+1/2 =1
	(ix)	(ix)	(ix)	राष्ट्रध्वज, कार्यप्रणाली, जनकल्याण, मतभेद (कोई दो)	1/2+1/2 =1
2	(i)	(i)	(i)	'पहले जागे हैं' अर्थात प्रथम सभ्यता का उदय और ज्ञान का प्रसार	1+1=2
	(ii)	(ii)	(ii)	वीरता की ओर	1
	(iii)	(iii)	(iii)	पर शरणागत हुआ कहाँ कब हमें न प्यारा! बस युद्धमात्र को छोड़कर कहाँ नहीं हैं हम सदय	1
	(iv)	(iv)	(iv)	युद्ध क्षेत्र में हम शत्रुओं पर कोई दया नहीं करते। अन्यथा हम सबके प्रति दया भाव रखते हैं।	2
	(v)	(v)	(v)	वीरता, मानवता, करुणा, ज्ञान, सभ्यता (किन्हीं दो का उल्लेख)	1+1=2
				अथवा	8
	(i)	(i)	(i)	पोखर के पानी में लहरें उठ रही हैं जिसके कारण उसमें उगी घास भी लहराती हुई प्रतीत हो रही है।	2
	(ii)	(ii)	(ii)	'एक चाँदी का बड़ा–सा गोल खंभा, आँख को है चकमकाता।	2
	(iii)	(iii)	(iii)	पत्थर की क्योंकि पोखर के किनारे पत्थर लंबे समय से पड़े हैं।	1+1=2
	(iv)	(iv)	(iv)	चंचल मछली को देखकर क्योंकि मछली का शिकार करने के लिए ही बगुला ध्यान की मुद्रा में खड़ा होता है।	1+1=2
					8

3	3	3	3	**खंड 'ख'** निबंध भूमिका और उपसंहार विषय–सामग्री भाषा–शुद्धता प्रस्तुति/समग्र प्रभाव	 1+1=2 5 1 2 10
4	4	4	4	पत्र प्रारूप– प्रारंभ और समापन की औपचारिकताएँ विषय सामग्री और प्रस्तुति भाषा–शुद्धता (पत्र की औपचारिकताएँ दाएँ से हों अथवा बाएँ से– दोनों स्वीकार की जाएँ	 2 2 1 =5
5	(i)	–	–	पढ़ाते हैं – सकर्मक क्रिया	1/2+1/2
	(ii)	–	–	लेंगे – सकर्मक क्रिया	1/2+1/2
	(iii)	–	–	हँसता है – अकर्मक क्रिया	1/2+1/2 =3
	–	7(i)	–	दे दी – सकर्मक क्रिया	1/2+1/2
	–	(ii)	–	दौड़ता है – अकर्मक क्रिया	1/2+1/2
	–	(iii)	–	दी गई है– सकर्मक क्रिया	1/2+1/2 =3
	–	–	5(i)	दिया – सकर्मक क्रिया	1/2+1/2
	–	–	(ii)	आ सकूँगा – अकर्मक क्रिया	1/2+1/2
	–	–	(iii)	थम नहीं रहा है– सकर्मक क्रिया	1/2+1/2 =3
6	(i)	–	–	(कि) एक साँप रेंगता हुआ घास में छिप गया। संज्ञा उपवाक्य	1/2+1/2
	(ii)	–	–	वह गोरा लड़का जहाँ खड़ा है। क्रिया विशेषण उपवाक्य	1/2+1/2
	(iii)	–	–	जो लोग दूसरों के साथ मीठा बोलते हैं विशेषण उपवाक्य	1/2+1/2 =3

	–	5(i)	–	(कि) मुझे विज्ञान मेला देखने के लिए अवश्य जाना है। संज्ञा उपवाक्य	1/2+1/2
	–	(ii)	–	जो विद्यार्थी अपना समय गँवाते हैं विशेषण उपवाक्य	1/2+1/2
	–	(iii)	–	वह लड़का जिस तरह चल रहा है क्रिया विशेषण उपवाक्य	1/2+1/2 =3
	–	–	6(i)	जब प्रशांत मेरे पास पहुँचा क्रिया विशेषण उपवाक्य	1/2+1/2
	–	–	(ii)	जो कुश्ती में खली को जीत सके। विशेषण उपवाक्य	1/2+1/2
	–	–	(iii)	(कि) कुछ लोग मेरी ओर तेजी से बढ़े आ रहे थे। संज्ञा उपवाक्य	1/2+1/2 =3
7	(i)	–	–	और/ तथा/ एवं समुच्चय बोधक/ योजक	1/2+1/2
	(ii)	–	–	धीरे–धीरे/धीरे से/ तेजी से/ अचानक .... क्रिया विशेषण	1/2+1/2
	(iii)	–	–	के पास/ के सामने/ के बाहर/ के आगे .... संबंध बोधक	1/2+1/2 =3
	–	6(i)	–	देखते–देखते/ खेलते–खेलते/ लुढ़कते–लुढ़कते क्रिया विशेषण	1/2+1/2
	–	(ii)	–	और/ तथा/ एवं .... (समुच्चय बोधक/ योजक) (से अधिक/ से ज्यादा, संबंध बोधक)	1/2+1/2
	–	(iii)	–	शाबाश!/ वाह! अरे... विस्मयादि बोधक	1/2+1/2 =3
	–	–	9(i)	भीतर/ अंदर/ बाहर/ सामने/ आगे/ पीछे... संबंध बोधक	1/2+1/2

	–	–	(ii)	और/ तथा समुच्चयबोधक/ योजक	1/2+1/2
	–	–	(iii)	धीरे/ आहिस्ता क्रियाविशेषण	1/2+1/2 =3
8	(i)	–	–	ज्योति से /द्वारा कार अच्छी तरह नहीं चलाई जाती।	1
	(ii)	–	–	मैं उर्दू में लिखा पत्र नहीं पढ़ पाऊँगा/पाऊँगी या मैं उर्दू में लिखा पत्र नहीं पढ़ सकूँगा/सकूँगी	1
	(iii)	–	–	गीता से चला नहीं जाता/जा सकता।	1 =3
	–	(i)	–	उन्होंने इस झगड़े की पूरी जाँच की।	1
	–	(ii)	–	तानसेन को संगीत सम्राट भी कहा जाता है। या तानसेन संगीत सम्राट भी कहे जाते हैं। या तानसेन संगीत सम्राट भी कहलाते हैं।	1
	–	(iii)	–	अब मुझसे नहीं चला जाता/ जा सकता।	1 =3
	–	–	7(i)	मुझसे दरवाजा नहीं खोला जाता/ जा सकता	1
	–	–	(ii)	सुनीता विलियम्स ने उद्घाटन किया।	1
	–	–	(iii)	मुझसे/मेरे द्वारा सोचा नहीं जाता/जा सकता।	1
9	क	–	–	धनी और निर्धन : द्वंद्व समास	1/2+1/2
	(i)	–	–	चार राहों के मिलने का स्थान विशेष: बहुव्रीहि समास या	1/2+1/2
	(ii)			चार राहों का समाहार : द्विगु समास	

	ख	ख	ख	किसी एक शब्द के दो भिन्न अर्थों में वाक्य प्रयोग पर	1
	–	क (i) (ii)	– –	चार पाए हैं जिसके : बहुव्रीहि समास या चार पायों का समूह : द्विगु समास रसोई के लिए घर : तत्पुरुष समास	1 1 =2
	–	–	8 क (i)	तीन भुजाओं वाली आकृति (त्रिकोण): बहुव्रीहि समास या तीन भुजाओं का समाहार: द्विगु समास	1
	–	–	(ii)	रात और दिन : द्वंद्व समास	1 =2
10	क (i)	ख (i)	क (i)	**खंड 'घ'** कृष्ण ही उनका एकमात्र सहारा या अवलंब है। वे कृष्ण से एकनिष्ठ प्रेम करती है।	2
	(ii)	(ii)	(ii)	कृष्ण की : क्योंकि वे मन, वचन और कर्म से कृष्ण के प्रति समर्पित हैं।	1+1=2
	(iii)	(iii)	(iii)	कड़वी ककड़ी के समान अरुचिकर तथा एक रोग की तरह अस्थिर चित्त वालों को जिनका मन भटकता रहता है। **अथवा**	1+1=2 6
	ख (i)	क (i)	ख (i)	यश, वैभव, मान–सम्मान, बड़प्पन एवं पूँजी	2
	(ii)	(ii)	(ii)	सुख और दुख एक दूसरे से जुड़े हैं। सुख की पृष्ठभूमि में कहीं न कहीं दुख का कठोर सत्य छिपा रहता है।	2

	(iii)	(iii)	(iii)	भ्रम/झूठा छलावा — तेज गर्मी के कारण रेगिस्तान में दूर से चमकती रेत को पानी समझकर मृग भटकता है और प्यासा मर जाता है। यही मृग–तृष्णा है। यहाँ प्रभुता या बड़प्पन पाने की लालसा को मृगतृष्णा कहा गया है।	1+1 =2 6
11	क	घ	घ	**कोई तीन उत्तर अपेक्षित** शूरवीर युद्धभूमि में अपनी वीरता का बखान नहीं करते अपितु वीरता के कारनामे दिखाते हैं। शत्रु को सामने देखकर कायर ही वीरता की डींगें हाँकते हैं, शूरवीर नहीं।	3
	ख	ग	ग	श्रीकृष्ण के लिए, क्योंकि श्रीकृष्ण का रूप और तेज ही सारे संसार में व्याप्त है और उसे प्रकाशित कर रहा है।	1+2 =3
	ग	ख	ख	किसानों के हाथ का स्पर्श पाकर अर्थात् उनके परिश्रम से ही फसल खेतों में गर्व से लहलहाती है, गरिमा प्राप्त करती है। फसल किसानों के परिश्रम की ही महिमा है, परिणाम है।	3
	घ	क	क	समाज लड़कियों को सजावटी गुड़िया समझता है तथा कोमलता, तयाग, सहनशीलता आदि उनके स्वाभाविक गुणों को कमजोरी समझकर उनका शोषण करता है। वह आदर्शवाद के आवरण में उन्हें दबाकर रखता है। लड़की क्योंकि अभी सरल और भोली है, सोच और समझ से अपरिपक्व है, इसीलिए उसकी सोच को सही दिशा देने के लिए अनुभवी माँ ऐसा कहती है।	3 3+3+3=9
12	क (i)	क (i)	क (i)	सुख का स्वप्न	1

	(ii)	(ii)	(ii)	प्रेयसी के लाल गालों की लालिमा लेकर ही उषाकाल ने अपना सुहाग सजाया है।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	कवि	1
	(iv)	(iv)	(iv)	जीवन की लंबी यात्रा में सपनों की सुखद स्मृतियाँ ही कवि का संबल या पाथेय हैं।	1
	(v)	(v)	(v)	तत्सम प्रधान खड़ी बोली, क्लिष्टता, लाक्षणिकता आदि	1 =5
	ख (i)	ख (i)	ख (i)	**अथवा** यह पद परशुराम की गर्वोक्ति पर व्यंग्य या उपहास का संकेत देता है।	1
	(ii)	(ii)	(ii)	हे मुनीश्वर, इतने बड़े योद्धा होते हुए भी आप बार–बार कुल्हाड़ा दिखाकर मुझे डराना चाहते हैं।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	मुनीश्वर, महाभट, व्यंग्य करने के लिए	1/2+1/2 =1
	(iv)	(iv)	(iv)	क्रोध और वीरता का दिखावा	1
	(v)	(v)	(v)	अवधी भाषा लोकोक्ति का सटीक प्रयोग	1 =5
13	क (i)	क (i)	ख (i)	उनकी लगातार बिगड़ती आर्थिक स्थिति ने उनके व्यक्तित्व की प्रेम, विश्वास, सहानुभूति जैसी अच्छाइयों और सद्‌गुणों को कम करना शुरू कर दिया।	2
	(ii)	(ii)	(ii)	• धन का बढ़ता अभाव • उनका अहंकार	1+1=2
	(iii)	(iii)	(iii)	• महत्वाकांक्षाओं का पूरा न हो पाना, • अपने ही लोगों द्वारा बार–बार किया जाने वाला विश्वासघास	1+1=2 6

	ख (i)	ख (i)	क (i)	जिस प्रकार जल में स्नान करके व्यक्ति का तन–मन निर्मल हो जाता है, उसी प्रकार फादर के दर्शन करने से उनकी करुणा का जल तन–मन के विकारों को दूर कर देता था। उनसे बात करने मात्र से ही व्यक्ति कर्म के लिए प्रेरित और तत्पर हो उठता था।	2
	(ii)	(ii)	(ii)	लेखक 'परिमल' के दिनों की मधुर स्मृतियों में खो जाता है जिसमें सभी लेखक साहित्यकार फादर बुल्के की छत्र छाया में एक परिवार की भाँति बँधे थे, हँसी मजाक करते थे, गोष्ठियों में उनको सुझाव देते और उत्सव संस्कार में जी भर आशीष देते थे।	2
	(iii)	(iii)	(iii)	उनका व्यक्तित्व करुणापूर्ण और व्यवहार अपनत्व से परिपूर्ण। भारतीयता का सम्मान करते हुए भारतीय परंपराओं का निर्वाह करना। (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार किए जाएँ।)	2 =6
14	14 क	15 घ	15 ख	कैप्टन अपने गिने चुने चश्मों में से एक नेताजी की मूर्ति पर फिट कर देता था, लेकिन ग्राहक के वैसा ही फ्रेम मांगने पर वह मूर्ति पर लगा फ्रेम उतार कर लगा देता।	3
14	14 ख	15 ग	15 क	बालगोबिन भगत की कबीर पर श्रद्धा उनके बाह्य स्वरूप व आन्तरिक व्यवहार से प्रकट हुई है– बाह्य: • कबीर पंथियों की सी कनपटी या टोपी सिर पर पहनते थे। • रामानन्दी तिलक लगाते थे। • खंजड़ी बजाते हुए कबीर के पद गाते थे। आन्तरिक:	3

				• कथनी–करनी में एकरूपता • सामाजिक कुरीतियों व बाह्य आडंबरों का विरोध • पुत्र की मृत्यु पर शोक न मना कर उत्सव मनाना • पुत्रवधू के पुनर्विवाह का प्रयास (किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख)	
	14 ग	15 ख	15 ग	• नवाबी अंदाज, नफासत व नजाकत दर्शाने के लिए • लेखक के सामने खीरे जैसी साधारण वस्तु खाने में संकोच • वे दिखावा करने वाले, नखरे वाले, झूठी शान वाले व अहंकारी स्वभाव के थे।	3
	14 घ	15 क	15 घ	• मानव सभ्यता के विकास का स्वरूप बदल डाला। • आग के अभाव में सभ्यता की कल्पना असम्भव। • आग की खोज अन्य कई खोजों का आधार बनी जैसे धातु ढालने, बर्तन व हथियार बनाने आदि। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख)	2 1 =3
15	क	14 ख	14 क	द्विवेदी जी स्त्री शिक्षा के प्रबल समर्थक हैं। उनका मानना है कि स्त्री शिक्षा का विरोध करना समाज के प्रति एक गंभीर अपराध है। वे स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन करते हुए कहते हैं कि प्राचीन काल में सीता, शकुंतला, रुक्मिणी, अत्रि की पत्नी आदि स्त्रियाँ शिक्षित थीं। उन्होंने वेद मंत्रों तथा पद्य की रचना की थी। उस समय प्राकृत बोलचाल की भाषा थी अतः प्राकृत बोलना अनपढ़ होने का प्रमाण नहीं है। आज भी	3

				समाचार पत्र बोलचाल की भाषा में छपते हैं। स्त्री शिक्षा से कोई अनर्थ नहीं होता। अनर्थ पुरुषों से भी होते हैं– पढ़े–लिखे और अनपढ़ दोनों से। अतः जो लोग स्त्री शिक्षा का विरोध करते हैं, वे समाज की प्रगति में बाधा डालने का प्रयास करते हैं।	
	ख	14 क	14 ख	• शहनाई मांगलिक विधि–विधानों पर बजाया जाने वाला यंत्र है और बिस्मिल्ला खाँ यह वाद्य बजाने में निपुण थे। • उनकी शहनाई से सदैव मंगल ध्वनि निकली। • वे आजीवन सच्चे सुरों की साधना करते हुए खुदा से जीवन को मंगलमय बनाने की प्रार्थना करते रहे। (कोई दो बिन्दु)	1+1=2
16	16	17	17	• हिरोशिमा की घटना का संक्षिप्त उल्लेख: द्वितीय विश्वयुद्ध में अमेरिका द्वारा अणु बम से विनाश • पर्यावरण, स्वास्थ्य, सुरक्षा, चिकित्सा, उद्योग आदि क्षेत्रों में विज्ञान का दुरुपयोग हो रहा है। • अणुबम जैसे घातक रासायनिक एवं जैविक अस्त्र–शस्त्रों का निर्माण • आतंकवाद को बढ़ावा, मानवता का नाश • वैज्ञानिक उपकरणों एवं मशीनीकरण के कारण फैलता पर्यावरण प्रदूषण, कीट नाशकों के प्रयोग से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव। • औद्योगीकरण के कारण बिगड़ता प्राकृतिक संतुलन • मौसम में विनाशकारी परिवर्तन (ग्लोबल वार्मिंग) • उपग्रहों के माध्यम से जासूसी, कंप्यूटरों	2+2 =4

				द्वारा व्यक्ति की निजी जिंदगी में दखल (हिरोशिमा घटना का उल्लेख–1 दुरुपयोग के कोई तीन बिंदु–3) **अथवा** बढ़ता पर्यावरण प्रदूषण– नदियों तथा अन्य जल स्रोतों को गंदा करना, पेड़ों तथा वनों की अंधाधुंध कटाई, प्राकृतिक संसाधनों का दोहन (कागज की बर्बादी, चट्टानों पेड़ों आदि पर लिखना) पेड़ों को न काटें, अधिक से अधिक पेड़ लगाएँ, जल का संरक्षण, नदियों, तालाबों को साफ रखना, संसाधनों का अनुचित प्रयोग न करना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)	
17	क	16 घ	16 ख	• गांधी आश्रम से खद्दर की एक साड़ी • होली के त्योहार पर भेंट स्वरूप	1+1=2
	ख	16 ग	16 क	सभी लोग मेहनती और ईमानदार हैं तथा अभावों के बावजूद अपनी जिंदगी से खुश हैं।	2
	ग	16 ख	16 ग	• मूर्ति के पत्थर की किस्म का पता न चलने पर मूर्तिकार ने स्वयं ही हिंदुस्तान की यात्रा कर पत्थर ढूँढ़ लाने का सुझाव दिया। इस परसभापति ने गर्व से सहमति जताई। • मूर्ति में प्रयोग किया गया पत्थर न मिलने पर मूर्तिकार ने सुझाव दिया कि देश के किसीभी नेता की मूर्ति से जिसकी नाक लाट पर ठीक बैठे उतार लाई जाए। सभापति ने स्वीकार करते हुए कहा– 'लेकिन बड़ी होशियारी से।' • मूर्तिकार ने सुझाव दिया कि चालीस करो	1+1=2

				में से कोई एक जिंदा नाक काटकर लगा दी जाए। सभापति ने सबकी तरफ देखा और इजाजत दे दी। (किसी एक सुझाव और प्रतिक्रिया का उल्लेख आवश्यक)	
17	घ	16 क	16 घ	माँ के आँचल की प्रेम और शांति की छाया में भोलानाथ स्वयं को अधिक सुरक्षित महसूस करता है। पिता से अधिक जुड़ाव होने के बावजूद भय की स्थिति में वह माँ की गोद में ही शरण लेता है।	2